तैयारी | उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार बोले - जिले में 63 आंगनबाड़ी केंद्र प्ले-वे स्कूल रूप में किए जाएंगे विकसित

माडल टाउन के आंगनबाड़ी केंद्र को बनाया प्ले-वे स्कूल

जागरण संवाददाता, रोहतक : उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने कहा है कि राज्य सरकार की ओर से लिए गए निर्णय के अनुसार आंगनबाड़ी केंद्रों को प्राइवेट प्ले-वे स्कूलों की तर्ज पर विकसित करने का कार्य जिले में शुरू हो चुका है। उन्होंने बताया कि जिले में 63 आंगनबाड़ी प्ले-वे स्कूल विकसित किए जाएंगे। इसकी शुरुआत माडल टाउन के आंगनबाड़ी केंद्र से शनिवार को की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले दिनों लगभग 4000 आंगनबाड़ी केंद्रों को प्ले-वे स्कूलों की तर्ज पर विकसित करने का निर्णय लिया था। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य यह है कि प्ले स्कूलों में शिक्षित होने के बाद बच्चे सीधे पहली कक्षा में दाखिला ले सकेंगे। नर्सरी व प्री नर्सरी का कार्य आंगनबाड़ी केंद्रों के प्ले स्कूल में पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्ले स्कूलों में तीन से छह वर्ष तक के बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा दी जाएगी ताकि उनका सामाजिक, संवेदनात्मक, शारीरिक, बौद्धिक व कलात्मक विकास हो सके।

आंगनबाड़ी केंद्र को प्ले-वे स्कूल के रूप में शुरू करने पर मौजूद अधिकारी व संस्थाओं के प्रतिनिधि। ● जागरण

रोहतक 25 टाप शहरों में शामिल

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी शैलेट जोस ने बताया कि माडल टाउन के आंगनबाड़ी केंद्र को मिनिस्ट्री आफ हाउसिंग एंड अर्बन अफेयर्स भारत सरकार, वर्ल्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट एवं बीवीएलएफ फाउंडेशन द्वारा 25 शहरों को टाप चाइल्ड फ्रेंडली शहर बनाने के प्रोजेक्ट में शामिल किया गया है। इस प्रोजेक्ट को उन्होंने तैयार किया है।

विभाग बिमलेश कुमारी ने बच्चों की सेहत व शिक्षा को बढ़ाने में आंगनबाड़ी वर्कर की भूमिका के बारे में प्रकाश डाला। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी डा. विजय लक्ष्मी नांदल, एलपीएस बोसार्ड की एचआर प्रमुख मेहंदी रत्ता व बीपी जैन स्किल डेवलपमेंट सेंटर की प्रबंधक आयुषी जैन ने भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के बारे में जानकारी दी।

◆◆◆◆◆◆◆◆◆◆

प्ले-वे स्कूलों की तर्ज पर विकसित होंगे 63 आंगनबाड़ी केंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

मॉडल टाउन केंद्र से हुई शुरूआत, बच्चों को मिलेगी शिक्षा

राज्य सरकार के निर्णय पर जिले में 63 आंगनबाड़ी केंद्रों को प्राइवेट प्ले-वे स्कूलों की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। इस योजना की शुरूआत यहां मॉडल टाउन के आंगनबाड़ी केंद्र से की गई है।

जिला उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले दिनों लगभग 4000 आंगनबाड़ी केंद्रों को प्ले-वे स्कूलों की तर्ज पर विकसित करने का निर्णय लिया था। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य यह है कि प्ले स्कूलों में शिक्षित होने के बाद बच्चे सीधे पहली कक्षा में दाखिला ले सकेंगे।

नर्सरी व प्री नर्सरी का कार्य आंगनबाड़ी केंद्रों के प्ले स्कूल में पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्ले स्कूलों में 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों को खेल खेल में शिक्षा दी जाएगी ताकि उनका सामाजिक, संवेदनात्मक, शारीरिक, बौद्धिक व कलात्मक विकास हो सके।

रोहतक 25 टॉप शहरों में शामिल

▶▶ मॉडल टाउन स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में शुरू की गई योजना के कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी शैलेट जोस ने बताया कि मॉडल टाउन के आंगनबाड़ी केंद्र को मिनिस्ट्री आफ हाउसिंग एंड अर्बन अफेयर्स भारत सरकार, वर्ल्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट एवं बीवीएलएफ फाउंडेशन द्वारा 25 शहरों को टॉप चाइल्ड फ्रेंडली शहर बनाने के प्रोजेक्ट में शामिल किया गया है।

मॉडल टाउन एरिया को आधुनिक बनाएंगे

शैलेट जोस ने कहा कि मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से बच्चों को स्कूल पूर्व शिक्षा, स्वच्छ एवं संतुलित पोषाहार व स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध होगी, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास भी होगा। उन्होंने कहा कि रोहतक को 25 टॉप चाइल्ड फ्रेंडली शहरों में शामिल करने के साथ-साथ मॉडल टाउन एरिया को भी आधुनिक बनाया जाएगा। इस मौके पर अभिभावकों ने भी कार्यक्रम में समस्या तथा रूचि से संबंधित प्रश्न रखें। वहीं स्वास्थ्य विभाग के डॉ. विनय ने बच्चों के पोषाहार व कोविड-19 काल में बच्चों की देखभाल के बारे में जानकारी दी। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग बिमलेश कुमारी ने बच्चों की सेहत व शिक्षा को बढ़ाने में आंगनवाड़ी वर्कर की भूमिका के बारे में प्रकाश डाला। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. विजय लक्ष्मी नांदल, एलपीएस बोसार्ड की एच आर प्रमुख श्रीमती मेहंदी रत्ता व बीपी जैन रिकल डेवलपमेंट सेंटर, रोहतक की प्रबंधक आयुषी जैन ने भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के बारे में जानकारी दी।

'जिले में बनेंगे 63 प्ले-वे स्कूल, खेल-खेल में बच्चों को दी जाएगी शिक्षा'

रोहतक, 17 जुलाई (पंकेस) : राज्य सरकार द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार आंगनबाड़ी केंद्रों को प्राइवेट प्ले-वे स्कूलों की तर्ज पर विकसित करने का कार्य रोहतक जिला में आरंभ हो चुका है। जिले में 63 आंगनबाड़ी प्ले-वे स्कूल विकसित किए जाएंगे।

शनिवार को कैप्टन मनोज कुमार ने कहा कि इसकी शुरुआत मॉडल टाऊन के आंगनबाड़ी केंद्र से की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले दिनों लगभग 4000 आंगनबाड़ी केंद्रों को प्ले-वे स्कूलों की तर्ज पर विकसित करने का निर्णय लिया था। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य यह है कि प्ले स्कूलों में शिक्षित होने के बाद बच्चे सीधे पहली कक्षा में दाखिला ले सकेंगे।

नर्सरी व प्री नर्सरी का कार्य आंगनबाड़ी केंद्रों के प्ले स्कूल में पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्ले स्कूलों में 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों को खेल खेल में शिक्षा दी जाएगी ताकि उनका सामाजिक, संवेदनात्मक, शारीरिक, बौद्धिक व कलात्मक विकास हो सके। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार के दिशा-निर्देशानुसार शनिवार को इस संबंध में मॉडल टाउन स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी शैलेट जोस ने बताया कि मॉडल टाउन के आंगनबाड़ी केंद्र को मिनिस्ट्री आफ हाऊसिंग एंड अर्बन अफेयर्स भारत सरकार, वर्ल्ड रिसर्च इंस्टीच्यूट एवं बीवीएलएफ फाऊंडेशन द्वारा 25 शहरों को टॉप चाइल्ड फ्रैंडली शहर बनाने के प्रोजेक्ट में शामिल किया गया है। उपरोक्त आंगनबाड़ी केंद्र को मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र के रूप में विकसित करने का प्रोजेक्ट स्वयं मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी शैलेश जोश ने तैयार किया है।

आंगनबाड़ी केंद्र के शुभारंभ पर संबोधित करती मुख्यवक्ता।

ये सुविधाएं होंगी उपलब्ध

शैलेट जोस ने कहा कि मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से बच्चों को स्कूल पूर्व शिक्षा, स्वच्छ एवं संतुलित पोषाहार व स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी। इसके साथ ही बच्चों का सर्वांगीण विकास भी होगा। उन्होंने कहा कि रोहतक को 25 टॉप चाइल्ड फ्रेंडली शहरों में शामिल करने के साथ-साथ मॉडल टाऊन एरिया को भी आधुनिक बनाया जाएगा। शैलेट जोस ने बाल अवधारणा के माध्यम से बच्चों के मानसिक विकास के बारे में भी विस्तार से बताया। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों को भी मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र की गतिविधियों के बारे में विस्तार से समझाया गया। अभिभावकों ने भी कार्यक्रम में समस्या तथा रूचि से संबंधित प्रश्न रखें। स्वास्थ्य विभाग के डॉ. विनय ने बच्चों के पोषाहार व कोविड-19 काल में बच्चों की देखभाल के बारे में जानकारी दी।

आंगनबाड़ी वर्कर की भूमिका बारे डाला प्रकाश

वहीं, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग बिमलेश कुमारी ने बच्चों की सेहत व शिक्षा को बढ़ाने में आंगनबाड़ी वर्कर की भूमिका के बारे में प्रकाश डाला। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी डा. विजय लक्ष्मी नांदल, एल.पी.एस. बोसार्ड की एच.आर. प्रमुख मेहंदी रत्ता व बीपी जैन स्किल डिवैल्पमैंट सैंटर, रोहतक की प्रबंधक आयुषी जैन ने भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के बारे में जानकारी दी।

शिक्षा तीन से छह साल तक के बच्चों को दी जाएगी शिक्षा, मॉडल टाउन केंद्र से हुई शुरुआत

खेल-खेल में दी जाएगी शिक्षा, 63 आंगनबाड़ी केंद्र बनेंगे प्ले-वे स्कूल

माई सिटी रिपोर्टर

रोहतक। जिले में 63 आंगनबाड़ी केंद्रों को प्ले-वे स्कूल के रूप में विकसित किया जाएगा। इस काम की शुरुआत मॉडल टाउन स्थित आंगनबाड़ी केंद्र से हुई है।

25
टॉप चाइल्ड फ्रेंडली शहरों की सूची में शामिल हुआ रोहतक

डीसी कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि राज्य सरकार ने पिछले दिनों प्रदेश में करीब चार हजार आंगनबाड़ी केंद्रों को प्ले-वे स्कूल की तर्ज पर विकसित करने का फैसला किया था। इसका उद्देश्य यह है कि प्ले-वे स्कूल में शिक्षित होने के बाद बच्चे सीधे पहली कक्षा में दाखिला लेंगे।

कार्यक्रम में मौजूद जिला शिक्षा अधिकारी डॉ विजय लक्ष्मी व अन्य। विज्ञप्ति

नर्सरी और प्री-नर्सरी की पढ़ाई आंगनबाड़ी केंद्र में हो जाएगी। प्ले-वे स्कूलों में तीन से छह साल तक के बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा दी जाएगी, ताकि बच्चों का सामाजिक, संवेदनात्मक, शारीरिक, बौद्धिक और कलात्मक विकास हो सके। उपायुक्त के निर्देश पर मॉडल टाउन आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी शैलेट जोस थीं। उन्होंने बताया कि केंद्रीय आवास व शहरी मामले मंत्रालय, वर्ल्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट और बीवीएलएफ फाउंडेशन ने रोहतक को देश के 25 टॉप चाइल्ड फ्रेंडली शहर बनाने की लिस्ट में शामिल किया है। मॉडल टाउन आंगनबाड़ी केंद्र को मॉडल बनाने का प्रोजेक्ट उन्होंने खुद तैयार किया है। इसके माध्यम से बच्चों को स्कूल पूर्व शिक्षा, स्वच्छ व संतुलित पोषाहार और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं आसानी से मिल सकेंगी। केंद्रीय मंत्रालय के प्रोजेक्ट के तहत मॉडल टाउन क्षेत्र को भी आधुनिक बनाया जाएगा। अभिभावकों ने समस्या और रुचि से संबंधित प्रश्न पूछे।

स्वास्थ्य विभाग के डॉ. विनय ने बच्चों के पोषाहार और कोरोना काल में बच्चों की देखभाल के बारे में बताया। जिला कार्यक्रम अधिकारी बिमलेश कुमारी ने बच्चों की सेहत व शिक्षा बढ़ाने में आंगनबाड़ी वर्करों की भूमिका के बारे में बताया। इस मौके पर डीईओ डॉ. विजय लक्ष्मी नांदल, एलपीस बोसार्ड की एचआर प्रमुख मेहंदीरत्ता, बीपी जैन स्किल डेवलपमेंट सेंटर की प्रबंधक आयुषी जैन भी मौजूद थीं।

मॉडर्न आंगनबाड़ी के झूले से बच्चों को मिलेगी गुरुत्वाकर्षण की जानकारी

विकास सैनी

बाला प्रोजेक्ट के तहत मॉडल टाउन में बनेगी प्रदेश की पहली मॉडर्न आंगनबाड़ी

परिसर में लगाए जाएंगे सीखने-सिखाने में सहायक आधुनिक उपकरण

रोहतक। बच्चे अब मनोरंजन के लिए दो पलड़ों के झूले में बैठकर खेल का मजा ही नहीं लेंगे, बल्कि ऊपर नीचे होते झूले से धरती के गुरुत्वाकर्षण को भी समझ सकेंगे। दीवार छूकर किसी चित्र को समझने के साथ उससे निकलने वाली आवाज भी उन्हें सिखाएगी।

6
साल तक के बच्चों के लिए आंगनबाड़ी में हर उपकरण होगा सिखाने वाला

शहर के मॉडल टाउन की आंगनबाड़ी में सितंबर के बाद कुछ यही होगा। छह वर्ष तक के बच्चों को दृश्यों व आवाज के माध्यम से बेहतर सिखाने वाली प्रदेश की इस इकलौती आंगनबाड़ी को बाला (बिल्डिंग एज लर्निंग एड्ज) प्रोजेक्ट के तहत खासतौर पर संवारा जाएगा। यह पायलट प्रोजेक्ट सितंबर तक पूरा होना है। दरअसल, पांच वर्ष तक के बच्चों का मस्तिष्क सबसे अधिक विकसित होता है। इस दौरान उन्हें जितना सिखाया जाए वह बेहतर है। इसी उद्देश्य से बाला प्रोजेक्ट के तहत वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट (डब्लूआरआई) ने देश भर में 25 शहरों का चुनाव किया है। इसमें रोहतक भी शामिल है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत संस्था शहर के मॉडल टाउन के आंगनबाड़ी केंद्र को मॉडर्न बनाएगी। आवास एवं शहरी मंत्रालय ने नर्चरिंग नेबरहुड चैलेंज नाम से अभियान शुरू किया है। इसके तहत सीएमजीजीए (चीफ मिनिस्टर गुड गवर्नेंस असिस्टेंट) शैलेट जोश की देखरेख में डब्लूआरआई संस्था के प्रोजेक्ट एसोसिएट रवि इस काम को अंजाम दे रहे हैं। बर्नार्ड वान लीर फाउंडेशन का इस प्रयास में विशेष सहयोग है।

मॉडल टाउन स्थित आंगनबाड़ी केंद्र। अमर उजाला

> प्रदेश में रोहतक स्थित मॉडल टाउन की आंगनबाड़ी को मॉडर्न बनाया जाएगा। बाला प्रोजेक्ट के तहत डब्लूआरआई संस्था के साथ मिलकर यह पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। इसका मकसद छह साल तक के बच्चों को दृश्यों के जरिये बेहतर ढंग से सिखाना है। **-शैलेट जोश, मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी**

चाइल्ड फ्रेंडली होगी आंगनबाड़ी

> मॉडल टाउन की आंगनबाड़ी को चाइल्ड फ्रेंडली बनाया जाएगा। उनके लिए ऐसे उपकरण वहां लगाए जाएंगे, जिन्हें देखकर, छूकर या खेलकूद के जरिये वे सीख सकेंगे। इसमें दीवार को छूने पर उससे निकलने वाला संगीत, गीयर सिस्टम से गीयर लगाने की जानकारी, गिनती, पहाड़े, एबीसी, क, ख, ग सब सीख सकेंगे। काम को बेहतर व आसान बनाने के लिए इस आंगनबाड़ी के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया है। **- रवि, प्रोजेक्ट एसोसिएट, डब्लूआरआई**

'एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है शोध कार्य'

रोहतक। शैक्षणिक शोध कार्य एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है। जरूरत है कि शिक्षा के मनोवैज्ञानिक व सामाजिक पहलुओं पर रिसर्च टूल्स का उपयोग कर शोध निष्कर्ष पर पहुंचा जाए।

ये विचार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. सीआर डरोलिया ने व्यक्त किए। वह एमडीयू के शिक्षा संकाय द्वारा आयोजित शोध कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। 12 जुलाई से चौधरी रणबीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज के तत्वावधान में चल रही कार्यशाला रविवार को संपन्न हो गई।

डॉ. डरोलिया ने वर्तमान समय में शैक्षणिक शोध में शैक्षणिक मापन पद्धति, शिक्षा शोध की चुनौतियां समेत सभी संबंधित पहलुओं पर प्रकाश डाला। इससे पूर्व एमडीयू मनोविज्ञान विभाग के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. राजबीर सिंह ने तकनीकी सत्र में शैक्षणिक शोध में सांख्यिकी टूल्स के उचित चयन, सांख्यिकी विश्लेषण की सही रिपोर्टिंग आदि विषय पर व्याख्यान दिया। डीन फैकल्टी ऑफ एजुकेशन प्रो. नवरतन शर्मा ने कहा कि इस कार्यशाला के जरिये शोधार्थियों की क्षमता का संवर्धन किया गया। संस्थान के निदेशक प्रो. इंद्रजीत सिंह ने भी समापन सत्र को संबोधित किया। ब्यूरो